lndu Kumari.

Assistant. Professor, Dept. of Economics, B. N. College, Bhagalpur, T. M. Bhagalpur University, Bhagalpur,

(3) स्थानीय स्रोतों या संवाददाताओं से सूचना प्राप्ति (Information from local source or correspondence)

(4)प्रश्नावली के माध्यम से सूचना संग्रह (information through questionnaire)

(a) डाक प्रश्नावली विधि (Mailing Method)

(b) गानको द्वारा अनुसूचियां भरना (Enumerators Method)

स्थानीय स्रोतों या संवाददाताओं से सूचना प्राप्ति (Information from local source or correspondence)

इस विधि के अंतर्गत समंक मुख्यतः एजेंटों संवाददाताओं, अनुसंधानकर्ताओं, गणको के द्वारा एकत्रित नहीं किए जाते अपितु स्थानीय एजेंटों तथा संवाददाताओं से सूचनाएं एकत्र करने हेतु प्रार्थना की जाती है वह अपने ढंग से अपनी रुचि और अरूचि के अनुसार सूचना एकत्रित करते हैं, और समय-समय पर आवश्यक सूचनाएं अनुसंधानकर्ताओं के पास भेजते रहते हैं। इस विधि का प्रयोग सार्वजनिक, अर्ध सार्वजनिक और निजी संस्थाओं द्वारा समंक संकलन करने के लिए किया जाता है। यह विधि ऐसे अनुसंधान के लिए उपयुक्त हैं। जिसमें आंकड़ों के निरंतर संकलन की आवश्यकता हो, आंकड़े एकत्रित करने का क्षेत्र व्यापक हो, आंकड़ों का प्रयोग पत्र-पत्रिकाओं रेडियो टेलीविजन आदि द्वारा किया जाना हो, तथा सूचनाओं की अत्यधिक शुद्धता की आवश्यकता न हो।

गुण इस विधि के गुण निम्नलिखित हैं

- इस विधि में समय धन तथा परिश्रम की बचत होती है यह कम खर्चीली प्रणाली है।
- इस विधि का क्षेत्र विस्तृत होता है, क्योंकि दूर-दूर के स्थानों से लगातार सूचना प्राप्त की जा सकती है।

- इस विधि द्वारा सूचनाएं निरंतर प्राप्त होती रहती है।
- यह विधि विशेष परिस्थितियों में उपयोगी है। इसके द्वारा कृषि उत्पादकता कीमत के सूचकांक आदि का अनुमान अधिक उचित ढंग से लगाया जा सकता है।

अवगुण- इस विधि के निम्नलिखित दोष हैं

- इस विधि द्वारा संकलित आंकड़ों में मौलिकता नहीं रहती क्योंकि सूचना देने वालों के साथ व्यक्तिगत संपर्क नहीं होता।
- इस विधि द्वारा संकलित आंकड़े में एकरूपता का अभाव पाया जाता है क्योंकि आंकड़े विभिन्न ने संवाददाताओं द्वारा इकट्ठे किए जाते हैं।
- इस विधि में आंकड़ों के संकलन पर व्यक्तिगत पक्षपात का प्रभाव पड़ता है।
- इस विधि द्वारा प्राप्त सूचनाओं की शुद्धता में कमी होती है।
- इस विधि द्वारा सूचना की प्राप्ति में देरी होती है।

प्रश्नावली के माध्यम से सूचना संग्रह (information through questionnaire) इस विधि में अनुसंधानकर्ता सबसे पहले अनुसंधान के उद्देश्य को अपने ध्यान में रखते हुए एक प्रश्नावली का निर्माण करता है। इस प्रश्नावली के आधार पर दो प्रकार से सूचना एकत्रित की जा सकती है।

(a) डाक प्रश्नावली विधि (Mailing Method)

इस विधि के अंतर्गत अनुसंधानकर्ता या तो स्थानीय एजेंट, अनुसंधानकर्ता, गणक नियुक्त कर सकता है, और सूचना एकत्रित करने के लिए उन्हें प्रश्नावली डाक द्वारा

भेजता है। या सूचना एकत्रित करने हेतु प्रश्नावली या डाक द्वारा सीधे सूची को को भेजता है इस विधि में से अनुसंधानकर्ता कौन सी विधि अपनाएंगे यह अनुसंधान के क्षेत्र, अनुसंधान के उद्देश्य, प्रकृति एवं परिशुद्धता की श्रेणी पर निर्भर करता है।

गुण -इस विधि के गुण निम्नलिखित हैं:

- इस विधि में धन कम खर्च होता है समय और परिश्रम की भी बचत होती है।
- इस विधि द्वारा संकलित आंकड़े मौलिक होते हैं क्योंकि सूचनाएं स्वयं सूचको द्वारा दी जाती है।
- इस विधि द्वारा विश्व क्षेत्र में आंकड़े संकलित किए जा सकते हैं।

अवगुण -इस विधि के मुख्य अवगुण निम्नलिखित हैं

- इस विधि का एक अवगुण यह है कि सूचना देने वाले अधिकतर व्यक्ति उदासीनता के कारण प्रश्नावलीयों को वापस भी नहीं भेजते, जो भर कर वापस भेजते भी हैं उनमें से अनेक अपूर्ण होते हैं।
- इस विधि में लोचशीलता नहीं पाई जाती क्योंकि अपूर्ण सूचना प्राप्त होने पर पूरक प्रश्न नहीं पूछे जा सकते।
- इस विधि का उपयोग सीमित है क्योंकि इसके अंतर्गत केवल शिक्षित व्यक्तियों से आंकड़े एकत्रित किए जा सकते

हैं, अशिक्षित व्यक्तियों से इस विधि द्वारा सूचना प्राप्त करना कठिन होता है।

- यदि सोच को मैं पक्षपात की भावना होगी तो शुद्ध सूचना उपलब्ध होती है।

इस विधि द्वारा आंकड़ों में शुद्धता की मात्रा कम होती है क्योंकि कई बार प्रश्नावली सावधानी से तैयार नहीं की जाती या प्रश्नों की जटिलता कारण उनके उत्तर गलत दे दिए जाते हैं।

(a)गानको द्वारा अनुसूचियां भरना (Enumerators Method)

इस विधि में अनुसंधान के उद्देश्य को ध्यान में रखकर एक प्रश्नावली तैयार कर लिया जाता है और इस प्रकार के प्रश्नावलीओं को लेकर सूचना देने वाले व्यक्तियों के पास गणक स्व्यं जाते हैं। इस प्रकार की प्रश्नावलीयों को जो गनक स्व्यं सूचको से प्रश्न पूछ कर भरते हैं अनुसूचियां (schedule) कहलाती हैं। अतएव इस विधि में गणक संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ करके सूचियों को स्वयं भरते हैं। गनक उन व्यक्तियों को कहा जाता है जो आंकड़े संकलन में अनुसंधानकर्ता की मदद करते हैं। इन गणको को अनुसूचियां भरने के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे कि वह सही प्रश्न पूछे तथा अनुसूचियां को शुद्धता पूर्वक भर सकें।

इस विधि के मुख्य गुण निम्नलिखित हैः

- इस विधि द्वारा काफी विस्तृत क्षेत्र से भी सूचना प्राप्त की जा सकती है उन व्यक्तियों से भी सूचना प्राप्त हो सकती है जो निरक्षर हैं।

- इस विधि में शुद्धता पाई जाती है क्योंकि योग्य प्रशिक्षित तथा अनुभवी गणों को द्वारा प्रश्न पूछे जाते हैं और अनुसूचियां भरी जाती।
- इस विधि में गणको का सूचीको से व्यक्तिगत संपर्क रहने के कारण जटिल प्रश्नों के शुद्ध और विश्वसनीय उत्तर प्राप्त हो सकते हैं।
- इस विधि में व्यक्तिगत पक्षपात का विशेष प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि कुछ गलत पक्ष में तथा कुछ विपक्ष में होते हैं।
- इस विधि में पूर्णता पाई जाती है क्योंकि घनक द्वारा सभी प्रश्नों के उत्तर से ही प्राप्त कर लिया जाता है।

इस विधि के कुछ अवगुण निम्नलिखित हैः

- यह विधि अनुसंधान की सबसे अधिक खर्चीली विधि है क्योंकि इसमें प्रशिक्षित अंको का प्रयोग किया जाता है।
- इस विधि का एक मुख्य अवगुण यह है कि योग्य बैंकों की कमी होती है इसीलिए सही आंकड़े एकत्रित करना कठिन है।
- इस विधि में गणको की नियुक्ति तथा प्रशिक्षण में अधिक समय लगता है इसीलिए आंकड़ों के संकलन में देरी हो सकती है।
- इस विधि द्वारा आंकड़े संकलित करने पर खर्च बहुत होता है इसीलिए यह विधि निजी अनुसंधानकर्ताओं के लिए अनुपयुक्त है यह विधि सरकार के लिए अधिक उपयुक्त है।
- यदि गणक पक्षपातपूर्ण हुए तो आंकड़े में शुद्धता नहीं रहेगी।